an>

Title: Regarding use of chemical fertilizers and its adverse impact on agriculture in the country.

डॉ. वीरेन्द्र कुमार **(**टीकमगढ़**) :** भारत की 70 प्रतिशत आबादी गांवों में रहती है और वह कृषि पर निर्भर है। देश की अर्थव्यवस्था भी कृषि पर ही टिकी हुयी है। किसानों द्वारा फसलों में रासायनिक खाद का अंधाधुंध प्रयोग करने से दिनों-दिन खेतों की उर्वरा शक्ति कम होती जा रही है। दवा और रासयनिक उर्वरकों के एजेंट बिना किसी प्रयोगशाला परीक्षण के उनकी अंधाधुंध खपत बढ़ाने के लिए किसानों को प्रेरित करते हैं तथा उनका उत्पादन करने वाली कम्पनियां विक्रेताओं को सिंगापुर, बैंकाक, गोवा आदि की सैर का प्रलोभन देकर उत्पादों की खपत बढ़ा रहे हैं।

अमेरिका तथा अन्य पश्चिमी देश 50 वर्ष पहले जिन जहरीले कीटनाशकों पर प्रतिबंध लगा चुके हैं उनका भारत में अंधाधुंध उपयोग हो रहा है। हमारी समूची कृषि पैदावार इनसे दूषित हो रही हैं। बीमारियों के कारण प्रत्येक घर दवाइयों का स्टोर बना हुआ है जिसका मुख्य कारण प्रदूषित जल और पैदा होने वाला जहरीला दूध, चावल, गेहूं, गन्ना तथा फल और सब्जियां हैं। सरकार और कृषि विभाग को इस संबंध में एक

व्यापक रणनीति बनाने की आवश्यकता है, क्योंकि यह समस्या हमारे देश के लिए एक नये तरह का आतंकवाद है, जो विकसित और विरोधी देशों द्वारा फैलाया जा रहा है

अतः मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि मृदा परीक्षण के साथ ही साथ कृषि के क्षेत्र में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकारों के सहयोग से एक व्यापक रणनीति बनाकर कार्य किया जाये।

HON. DEPUTY SPEAKER: Shri Bhairon Prasad Mishra is permitted to associate with the issue raised by Dr. Virendra Kumar.